हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 305 | देहरादून, सोमवार, 06 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

बोर्ड परीक्षा के छात्रों को बेस्ट ऑफ लक : धन सिंह रावत

3

यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर बस हादसा

26 श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

- प्रधानमंत्री ने किया दो लाख मुआवजे का एलान
- एमपी के सीएम शिवराज ने की मुआवजे की घोषणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर डामटा रिखाऊं खड्ड के पास दर्दनाक हादसा हुआ है। अनियंत्रित होकर एक बस खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि बस में 30 लोग सवार थे। अभी तक 26 शव बरामद किए गए हैं और चार यात्री घायल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है। बचाव कार्य जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे हैं। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। इस बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान भी देहरादून पहुंच गए हैं। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

बस (यूके-04 1541) हरिद्वार से चली थी। ड्राइवर और कंडक्टर की सीट को छोड़कर बस में 28 यात्री बैठ सकते थे। सभी यात्री मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष पुरोला अशोक कुमार ने बताया की 26 चारधाम यात्रियों से भरी बस रविवार शाम पौने सात बजे 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई जबकि चार घायल हैं। इनमें से 23 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। बस में चालक और परिचालक और मध्यप्रदेश के जिला पन्ना के गांव जखला निवासी 28 तीर्थयात्री सवार थे।

हादसा यमुनोत्री हाईवे पर डामटा से करीब 5 किमी दूर रिखाऊं खड्ड क्षेत्र में हुआ। बस हरिद्वार से यमुनोत्री धाम के लिए चली थी। दुर्घटना की सूचना पर बड़कोट और पुरोला पुलिस के साथ ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ टीम पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पुरोला थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि सात घायलों को निकाला गया जिसमें तीन महिलाएं थीं। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी नौगांव में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। चार घायलों का इलाज चल रहा है। गहरी खाई व अंधेरा होने से शवों को सड़क तक लाने में दिक्कत आ रही है। हादसा इतना भयावह था कि बस के परखच्चे उड़ गए। मौके पर एसडीएम बड़कोट शालिनी नेगी, सीओ सुरेंद्र भंडारी मौजूद हैं।

पीएम बोले, उत्तराखंड में हुआ बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मैं अपनी शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन मौके पर हरसंभव सहायता में जुटा है।

उधर, सीएम धामी बोले, उत्तरकाशी के पुरोला में डामटा के पास यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुर्भाग्यपूर्ण समाचार मिला। जिला प्रशासन बचाव कार्य में जुटा हुआ है। अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिजनों को यह कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करे। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने किया आपदा कंट्रोल रूम का निरीक्षण

- यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर डामटा के समीप हुई बस दुर्घटना पर राहत एवं बचाव कार्यों की ली जानकारी
- बस दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को दिये राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यमुनोत्री मार्ग पर डामटा के समीप रविवार को हुई बस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सचिवालय स्थित आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे। उन्होंने बस दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी ईश्वर से कामना की है। उन्होंने घायलों के उपचार की समुचित व्यवस्था के निर्देश भी जिलाधिकारी उत्तरकाशी को दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने आपदा कंट्रोल के संचालन व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया तथा ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों से भी कंट्रोल रूम के संचालन से सम्बन्धित प्रक्रियाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में यात्रा अपने चरम पर है। यात्रा संचालन में व्यवस्थाओं के साथ ही किसी भी प्रकार की अनहोनी पर त्वरित राहत सम्बन्धी कार्य संचालित हो। इसके लिए कारगर व्यवस्था बनायी जाए। सभी जनपदों से आपदा कंट्रोल रूम को 24 घंटे सूचनाएं उपलब्ध कराये जाने के साथ ही जनपदों के आपदा कंट्रोल रूमों को भी और अधिक सक्रिय किये जाने के उन्होंने निर्देश दिए। दुर्घटनाग्रस्त हुई बस में सवार लोग मध्यप्रदेश के होने के कारण मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से दूरभाष पर वार्ता कर दुर्घटना की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य तेजी से किये जा रहे है।

पास देने के चक्कर में खोया नियंत्रण हादसे की वजह तेज रफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। यमुनोत्री हाईवे पर डामटा से करीब 5 किमी दूर रिखाऊं खड्ड क्षेत्र में जब तीर्थयात्रियों से भरी कार खाई में गिरी तो उसे सबसे पहले नदी पार जौनसार के कोटा गांव के लोगों की छानी में रहने वाले श्यामू ने देखा। उसने फोन पर रिखांऊ खड्ड में होटल चला रहे वीरेंद्र पंवार को बताया तो आसपास मौजूद सभी लोग डेढ़ किलोमीटर दूर घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। उनके पहुंचने से पहले बस में सवार घायलों की चीख-पुकार थम चुकी थी। फिर भी जिंदा यात्रियों की तलाश की कोशिशें शुरू हुईं जिसे बाद में बड़कोट और पुरोला पुलिस के साथ ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने जारी रखा।

रिखांऊ खड्ड में होटल चलाने वाले वीरेंद्र पंवार ने बताया कि मध्य प्रदेश के यात्रियों की दो बसें यमुनोत्री की ओर निकलीं थी। पहली बस 15 किलोमीटर आगे पहुंच गई थी। हादसे की सूचना पर बस लौटी। उसमें मौजूद यात्रियों में से एक ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस में सवार यात्री ने फोन कर हादसे की सूचना दी थी। साथ ही झाड़ियों में फंसने की बात कही थी। इस पर झाड़ियों में घायलों की तलाश की गई। उन यात्रियों ने ही बस में सवार लोगों के गांव के बारे में बताया था। । वह कल सोमवार को तय करेंगे की आगे की यात्रा करनी है या नहीं।

रिखाऊं खड्ड के समीप जिस स्थान पर मध्य प्रदेश के यात्रियों की बस दुर्घटनाग्रस्त हुई, वहां पर भी सड़क काफी चौड़ी थी। लेकिन सामने से आ रहे

वाहन को पास देते समय चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा। बताया जा रहा है कि वाहन तेज गति में था। तेज रफ्तार होने के कारण पास देते समय वाहन सड़क से बाहर निकल गया और गहरी खाई में जा गिरा। 26 तीर्थयात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

पहाड़ी मार्गों पर वाहन चलाते समय तेज रफ्तार और थोड़ी सी भी असावधानी जान पर भारी पड़ती है। यमुनोत्री हाइवे पर अब तक हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में वाहन चालकों की असावधानियां भी उजागर हुई हैं। दोनों वाहन अन्य वाहन को पास देते समय असावधानी बरतने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। बीते कुछ रोज पहले यमुनोत्री हाईवे पर एक वाहन दुर्घटना ग्रस्त हुआ था, जिसमें तीन तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। वाहन जिस स्थान पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। उस स्थान पर सड़क काफी चौड़ी थी साथ ही सड़क पर ब्लैक टॉप भी किया गया था। लेकिन सामने से आ रहे वाहन को पास देने के लिए वाहन बैक करते समय चालक की असावधानी भारी पड़ गई।

12वीं के बाद इन क्षेत्रों में बनाएं करियर, यहां जानें टॉप 5 कोर्स और संस्थान के बारे में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

12वीं की परीक्षा पास करने के बाद छात्रों के सामने करियर को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है। सही जानकारी और अपनी रुचि की समझ न होने के चलते कई बार छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आज यहां हम आपको 12वीं के बाद के करियर ऑप्शंस के बारे में बताएंगे। साथ ही इन कोर्सेज को पूरा करने के लिए टॉप संस्थानों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

1. अगर आपको समसामयिक विषयों की जानकारी है। साथ ही लिखने, पढ़ने या बोलने में रुचि है तो यह करियर ऑप्शन आपके लिए ही है। 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद छात्र मास कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। इसके लिए छात्र किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50% अंकों के साथ कक्षा 12वीं पास होना चाहिए।

2. 12वीं की परीक्षा साइंस स्ट्रीम से पास करने वाले छात्रों के लिए इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जाने का अच्छा अवसर है। यहां छात्र सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग आदि में डिग्री ले सकते हैं। इसके लिए JEE जैसी परीक्षा क्लियर करने के बाद छात्रों को अच्छे संस्थानों में दाखिला मिल सकता है।

3. मेडिकल के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र 12वीं के बाद NEET के लिए प्रयास कर सकते हैं। इस परीक्षा में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें कॉलेज अलॉट किया जाता है। छात्र एमबीबीएस डिग्री के अलावा डेंटल, आयुर्वेदिक मेडिसिन, युनानी मेडिसिन, होम्योपैथी और योगा आदि में करियर तलाश कर सकते हैं.

4. आजकल फैशन को लेकर सबकी रुचि बढ़ती ही जा रही है। यदि आपका भी इस क्षेत्र में रुझान है तो आप फैशन डिजाइनिंग में बैचलर्स की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद आपके लिए कई सारे करियर ऑप्शंस खुल जाएंगे।

5.12वीं के बाद मैनेजमेंट कोर्स भी एक बढ़िया ऑप्शन है। छात्रों की रुचि के अनुसार मैनेजमेंट स्टडीज, बिजनेस मैनेजमेंट, हॉस्पिटल मैनेजमेंट और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट आदि में बैचलर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इन कोर्सेज में छात्रों का एडमिशन मेरिट और एंट्रेंस के आधार पर किया जाता है। मैनेजमेंट कोर्सेज में एडमिशन के लिए CAT, XAT और MAT आदि परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

यह हैं प्रमुख संस्थान :

1.मास कम्युनिकेशन – सिंबायोसिस सेंटर फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे2.इंजीनियरिंग – इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT)3. मेडिकल – ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (AIIMS)4. फैशन डिजाइनिंग – नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT)5. मैनेजमेंट – इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (IIM)

खान-पान के बिल में रेस्त्रां नहीं जोड़ सकते हैं Service Charge : केंद्र सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खान-पान के बिल में रेस्त्रां 'सेवा शुल्क' नहीं जोड़ सकते हैं। यह बात केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने साफ की। उन्होंने इसके साथ ही बताया कि कस्टमर चाहें तो अपनी तरफ से 'टिप' दे सकते हैं। साथ ही अगर रेस्त्रां मालिक अपने कर्मचारियों को ज्यादा पगार देना चाहते हैं तो वे खानपान उत्पादों के 'मीन्यू कार्ड' में दरें बढ़ाने के लिए आजाद हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश में खानपान की कीमतों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

हालांकि, उन्होंने रेस्त्रां मालिकों की उस आशंका को खारिज कर दिया कि सेवा शुल्क हटाए जाने की स्थिति में उन्हें घाटा होने लगेगा। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से सेवा शुल्क की वसूली को अनुचित बताया है। इस बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, "रेस्त्रां किसी बिल में अलग से सेवा शुल्क नहीं जोड़ सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कर्मचारियों को कुछ अधिक लाभ देने हैं तो आप उसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल सकते हैं। आप चाहें तो खानपान उत्पादों की दरें बढ़ा सकते हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि सरकार को उपभोक्ताओं से लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि रेस्त्रां बिल में अलग से सेवा शुल्क भी लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, "आप दरें बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन अगर कोई छिपी हुई लागत है तो लोगों को असली कीमत कैसे पता चलेगी।" वैसे, मंत्री ने कहा कि लोग रेस्तरां की सेवाओं से खुश होकर टिप देते रहे हैं और आगे भी वे ऐसा करना जारी रख सकते हैं।

बेसहारों का सहारा बनती चमोली पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्री बद्रीनाथ धाम दर्शन को दूर-दूर से आये श्रद्धालुओं की सहायता हेतु अतिथि देवो भवः के भाव को चरितार्थ करते हुए हर क्षण चमोली पुलिस के जवान डटे हुए हैं।

उत्तरप्रदेश से श्री हरि दर्शन की अभिलाषा लेकर आईं 79 वर्षीय माताजी मंदिर की सीढ़ियां चढ़ने में असमर्थ होकर जमीन में ही बैठ गयी,तभी ड्यूटी में नियुक्त महिला आरक्षी प्रेमलता की नजर उन माता जी पर पड़ी। महिला आरक्षी द्वारा तत्काल माताजी के पास जाकर उन्हें हौसला देते हुए उनके परिजन की सहायता लेकर उठाया, और सहारा देकर मंदिर दर्शन करवाकर सकुशल गंतव्य तक पहुँचाया। बुजुर्ग माताजी द्वारा प्रेमलता को ढेर सारा आशीष दिया गया।

प्रचंड गर्मी का प्रकोप, शिखर पर पारा, नौ जून तक मौसम विभाग ने जारी किया आरेंज अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में इन दिनों हर कोई प्रचंड गर्मी से बेहाल है। मैदानी इलाकों में तो तेज धूप के साथ लू चलने से दोपहरी भट्ठी जैसी तपती प्रतीत हो रही है। रविवार को राज्य में अधिकतम तापमान पिछले 10 साल के उच्चतम शिखर पर पहुंच गया। हरिद्वार में अधिकतम तापमान 41.8 तो देहरादून में 41.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

पिछले 10 साल में जून में प्रदेश के किसी भी शहर में अधिकतम तापमान इस स्तर तक नहीं पहुंचा। आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने नौ जून तक प्रदेश में भीषण गर्मी पडने और लू चलने की संभावना जताते हुए आरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही दोपहर में धूप में घूमने से बचने की सलाह दी गई है।

बीते गुरुवार को पिछले 10 साल का रिकार्ड तोडने के बाद भी राज्य में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी जारी है। राज्य के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम पारा रिकार्ड स्तर पर पहुंच चुका है। वहीं, रविवार को मैदानी जिलों हरिद्वार और देहरादून में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया।

अगले दो-तीन दिन में इसके 42 डिग्री पार करने के आसार दिख रहे हैं। इससे पहले जून में वर्ष 2012 में देहरादून में पारे ने 42 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छुआ था। तब दो जून को दून में अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले पांच दिन प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। ऐसे में मैदानों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और पर्वतीय क्षेत्रों में 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मैदानी इलाकों में लू चलने की चेतावनी भी जारी की गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने सलाह दी है कि भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच अनावश्यक घर से बाहर न निकलें। ज्यादा जरूरी हो तो सिर को ढककर ही घर से निकलें। खासकर दोपहर में एक बजे से तीन बजे के बीच धूप से बचने की पूरी कोशिश करें। मैदानी इलाकों में इस दौरान लू भी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। वहीं, किसानों को फल-सब्जी वाले खेतों में ड्रूषसचाई की सलाह दी गई है। भीषण गर्मी के कारण जंगल में आग लगने और फैलने की भी आशंका है।

बुजुर्ग स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही यात्रा पर आए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने की चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा

- यात्रा व्यवस्थाओं की निगरानी हेतु एक्सपर्ट कमेटी के गठन के दिये निर्देश
- पर्यटन, स्वास्थ्य, परिवहन एवं एस०डी० आर० एफ० को संयुक्त रूप से यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के दिये निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा के दौरान यात्रियों के स्वास्थ्य को लेकर चिन्ता व्यक्त करते हुए इस सम्बन्ध में प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इसके लिये एक्सपर्ट कमेटी गठित किये जाने के भी निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान हो रही मृत्यु के वास्तविक कारणों की भी सही स्थिति जनता के समक्ष रखी जाए। ताकि चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु आवश्यक एहतियात बरतें। उन्होंने इसके लिये बुजुर्ग एवं अस्वस्थ लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुजुर्ग लोग अपना स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही यात्रा पर आए, इसकी व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए। इस सम्बन्ध में चारधाम यात्रा से सम्बन्धित व्यवस्थाओं के प्रति नकारात्मक संदेश से बचाव के साथ ही यात्रा के सम्बन्ध में की गई सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के लिये पर्यटन, स्वास्थ्य, परिवहन एवं एस.डी. आर. एफ. के अधिकारी समन्वय से कार्य करते हुए। नियमित रूप से मीडिया को भी वस्तुस्थिति से अवगत कराये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराये।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव राधिका झा, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, महानिदेशक सूचना एवं परिवहन आयुक्त रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव सी. रविशंकर, महानिदेशक स्वास्थ्य के साथ ही सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बोर्ड परीक्षा के छात्रों को बेस्ट ऑफ लक : धन सिंह रावत

- शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की मौजूदगी में आज घोषित होगा रिजल्ट
- विद्यालयी शिक्षा परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा परीक्षा परिणाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा का रिजल्ट आज सोमवार) को घोषित किया जायेगा। जिसे परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिया जायेगा। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर में राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की उपस्थिति में घोषित किये जायेंगे।

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की सचिव डॉ0 नीता तिवारी ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि आज अपराह्न 04 बजे उत्तराखंड बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम जारी कर दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर में इस वर्ष के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट सूबे के शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की गरिमामयी उपस्थिति में घोषित किये जायेंगे। डॉ0 तिवारी ने बताया कि परीक्षाफल घोषित होने के उपरांत परिषद कार्यालय रामनगर की आधिकारिक वेबसाइट www.ubse.uk.gov.in व www.uaresults.nic.in पर रिजल्ट जारी किये जायेंगे, जहाँ परीक्षार्थी अपना परीक्षाफल देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा बोर्ड परीक्षाएं 28 मार्च 2022 से 19 अप्रैल 2022 के मध्य आयोजित की गई थी जो कि 1333 परीक्षा केन्द्रों में सफलतापूर्वक सम्पादित की गई। इस वर्ष संपादित बोर्ड परीक्षाओं के अंतर्गत हाईस्कूल में कुल 129778 एवं इंटरमीडिएट में कुल 113164 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के उपरांत दिनांक 25 अप्रैल 2022 से 09 मई 2022 के मध्य उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। विद्यालयी परिषद की सचिव ने बताया कि शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत के निर्देश पर पूरी पारदर्शिता के साथ समय पर बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम तैयार किये गये हैं। आज रामनगर में शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत एवं परिषद के सभापति व निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ0 आर0के0 कुंवर सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षाफल घोषित कर दिये जायेंगे।

उत्तराखंड को हरा भरा बनाये : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वित्त, संसदीय कार्यमंत्री, शहरी विकास एवं आवास, पुनगर्ठन, जनगणना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों से पर्यावरण को संरक्षित रखने और उत्तराखंड को हरा-भरा बनाये रखने की अपील की है। इस अवसर पर मंत्री अग्रवाल ने देहरादून स्थित शासकीय आवास पर सपरिवार औषधीय, फलदार पौधे रोपे।

इस मौके पर उन्होंने कहा प्रकृति को सहेज कर रखना हमारी गौरवशाली परम्परा है, जिसका प्रमाण वृक्षों की पूजा से मिलता है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह दिवस हमें मानव और प्रकृति के मध्य बेहतर सामंजस्य की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यह दिवस साथ ही यह याद भी दिलाता है कि हम पर्यावरण को संरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी महामारी से बचने एवं स्वस्थ जीवन जीने के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी हो गया है।

कहा कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ने से आज जल, वायु, भूमि सभी क्षेत्रों में प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हमारे सामने है। उन्होंने कहा है कि पर्यावरण प्रदूषण से बचाव के लिए हमें अधिक से अधिक सामाजिक वानिकी-कृषि वानिकी को अपनाना होगा।

एवरेस्ट विजेता विंग कमांडर विक्रांत उनियाल से मिली स्पीकर खंडूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पहली बार में एवरेस्ट फतह कर एवरेस्ट पर राष्ट्रगान गाकर तिरंगा फहराने वाले देहरादून के एयरफोर्स विंग कमांडर विक्रांत उनियाल ने उत्तराखंड विधानसभा ऋतु खंडूड़ी भूषण से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने विंग कमांडर विक्रांत उनियाल को बधाई एवं शुभकामना दी। इस अवसर पर समाजसेवी रविन्द्र जुगरान भी मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा की सोच बड़ी हो और इरादे बुलंद हो तो किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा की विक्रांत उनियाल की उपलब्धि उत्तराखंड के लिए गौरव है। विधान सभा अध्यक्ष ने उनकी प्रभावशाली उपलब्धियों की सराहना की और उनके भविष्य के नए अभियानों के लिए शुभकामनाएं दीं।

आपको बता दें की प्रयागराज में इंडियन एयरफोर्स में तैनात विंग कमांडर विक्रांत उनियाल ने 21 मई को न सिर्फ माउंट एवरेस्ट फतह किया, बल्कि एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर इंडियन फ्लैग लहराते हुए नेशनल एंथम 'जन गण मन' भी गाया था, वो भी बिना ऑक्सीज़न मास्क के। सोशल मीडिया पर विंग कमांडर का यह वीडियो तेजी से वायरल भी हुआ है।

विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान हिमालय की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर विजय पताका फहराने वाले विक्रांत ने बताया कि कि इस ऊंचाई को छूने के लिए कुछ पाने का जुनून, माता-पिता, भाई के साथ अपनों का आशीर्वाद और किस्मत का उन्हे भरपूर साथ मिला, 1997 में एनडीए और वर्ष 2000 में कमीशन पाने वाले विक्रांत ने कहा कि वह खुशकिस्मत हैं कि किस्मत ने उनका पूरा साथ दिया। उन्होने बताया की नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनिंग से उन्होंने पर्वतारोहण का कोर्स किया है। एयरफोर्स में जाने के बाद 2018 में सियाचिन में आर्मी माउंटेनरिंग इंस्टीट्यूट (एएमआई) से प्रशिक्षण भी लिया। उन्होने बताया की 15 अप्रैल को एक शेरपा और कुछ पोर्टर के साथ हिमालय के बेस कैंप से चढ़ाई शुरू की और 36वें दिन एवरेस्ट की चोटी पर फतह की।

भगवन शिव से शादी करने लखनऊ से उत्तराखंड के गुंजी पहुंची महिला का हंगामा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर उपस्थित ओम पर्वत हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। चीन सीमा के नजदीक नाभीढांग में ओम पर्वत उपस्थित है। वहीं, इसके दर्शन के लिए देश-दुनिया लोग आते हैं, किन्तु इस बीच यहां कुछ ऐसा हुआ है, जिससे हर कोई दंग है।दरअसल, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी की रहने वाली 28 वर्षीय हरप्रीत कौर 23 अप्रैल को अपनी मां हरविंदर कौर के साथ ओम पर्वत के दर्शन के लिए गई थी। वहीं, दोनों मां-बेटी को प्रशासन ने 6 मई तक के लिए इनर लाइन पास दिया था, जो 15 दिनों के लिए मान्य होता है। असल सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों को प्रवेश के लिए इनर लाइन पास लेना होता है।

मीडिया रिपोर्ट में ऐसी भी खबर है कि भारत-चीन सीमा के निकट नाभीढांग के प्रतिबंधित क्षेत्र के करीब अवैध रूप से रह रही लखनऊ की इस महिला ने यह दावा करते हुए वहां से हटने से इंकार कर दिया है कि वह देवी पार्वती का अवतार है और वह

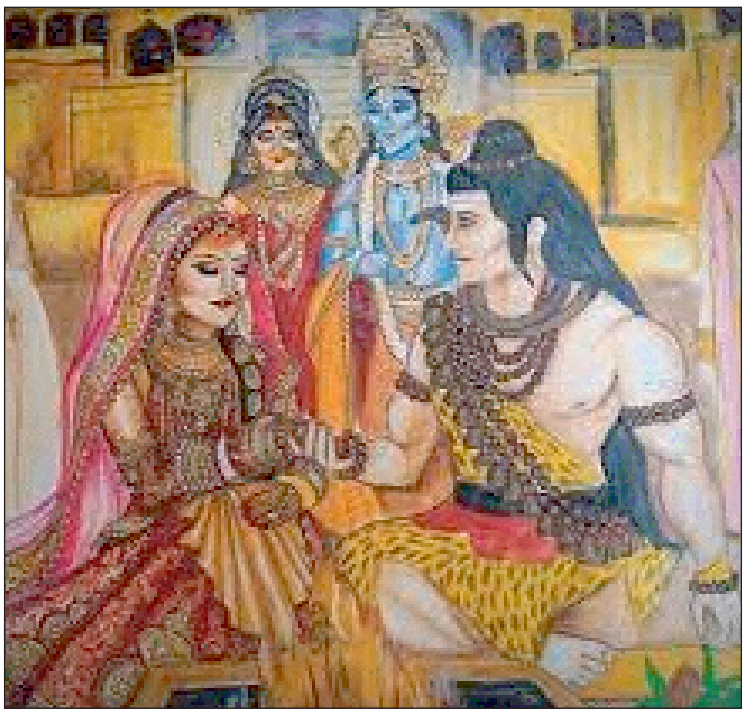

कैलाश पर्वत पर रहने वाले भगवान शिव से विवाह करेगी... मीडिया को इस हैरान कर देने वाली घटना के बारे में पिथौरागढ़ के पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतिबंधित क्षेत्र से जबरदस्ती हटाए जाने पर हरमिंदर सिंह नाम की इस महिला ने आत्महत्या करने की धमकी दी है और इसके चलते उसे वहां से हटाने गई पुलिस टीम खाली हाथ लौट आई है...

हालांकि, उन्होंने कहा कि महिला को बलपूर्वक नीचे धारचूला लाने के लिए अब एक और बड़ी पुलिस टीम मौके पर भेजी जाएगी.... सिंह ने कहा, ''हमने निर्णय लिया है कि महिला को नीचे लाने के लिए अब 12 सदस्यीय एक पुलिस टीम नाभीढांग भेजी जाएगी...

इस टीम में चिकित्सा कर्मी भी शामिल होंगे.''पुलिस अधिकारी ने बताया कि लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र की रहने वाली महिला धारचूला के उपजिलाधिकारी से 15 दिन की अनुमति लेकर अपनी मां के साथ गुंजी गई थी, लेकिन 25 मई को अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद भी वह प्रतिबंधित क्षेत्र को छोड़ने से मना कर रही है..

एसटीएफ उत्तराखंड ने किया नकली फार्मा फैक्टरियों का भंडाफोड़

एस.टी.एफ. उत्तराखंड का अंतर्राजीय ऑपरेशन रात से जारी कई फार्मा फैक्ट्री में छापा देश भर में फैला थी नकली दवाओं की सप्लाई विगत दो माह से स्पेशल टास्क फोर्स उत्तराखंड कर रही थी फार्मा फैक्ट्री को चिन्हित करने की कार्यवाही भगवानपुर,लक्सर,सहारनपुर में छापे नामी कंपनियों की दवा बनाने का सामान,केमिकल,निर्मित निम्मी दवाइयां बरामददेशभर में कोरियर सर्विस के माध्यम से सप्लाई स्पेशल टास्क फोर्स के रडार पर कोरियर सर्विसदवाइयों के दवाइयों के पेपर बॉक्स AT ENTERPRISES ग्राम सिसौना थाना भगवानपुर में साहिब का गोदाम पर तैयार होते है।स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा की गई छापेमारी1 रायपुर भगवानपुर क्षेत्र में ड्रग ड्रग्स फार्मा कंपनी2 थाना लक्सर क्षेत्र में गांव पीपला की ड्रग कंपनी में3 उत्तर प्रदेश जनपद सहारनपुर के कैलाशपुर की फैक्ट्री में ड्रग कंपनी मेंपूछताछ मैं ज्ञात हुआ कि थाना भगवानपुर क्षेत्र में पूर्व में बंद हुई इनोवा ड्रग एंड फार्मा कंपनी में पूर्व में गोपनीय टास्क के आधार पर अभियुक्त राशिद खान व नितिन प्रजापति को नकली दवाओं के साथ ऑल्टो कार में 4 लाख की नकली दवाओं के साथ गिरफतार किया गया जिनके द्वारा बताया गया की वह यह maal पूर्व में बंद पड़ी इनोवा फैक्ट्री के अंदर चोरी छिपकर फैक्ट्री मालिक विशाल व उसके पार्टनर पंकज कुमार द्वारा तैयार की गई नकली दवाओं को हेल्पर रोहतास के

माध्यम से कोरियर के माध्यम से अलग अलग राज्यों में भेजते हैं।इसके अलावा पंकज द्वारा लक्सर में पीपलहिया गांव में अलग से फैक्ट्री लगाकर तैयार दवाओं की रेपरिंग कर बाजार में बेचते ही है तथा नितिन द्वारा सहारनपुर के कैलाशपुर में बिना लाइसेंस के अलग से फैक्ट्री में मशीन लगाकर नकली दवाई बनाकर पूरे देश में बड़े पैमाने में नकली दवाओं की बिक्री करते हैं।छापे में बरामद नामी कंपनियों की दवा की कीमत पंद्रह लाख से ज्यादा व कच्चे माल की कीमत लगभग एक करोड़ से ज्यादा है।

रविवार को सामने आए कोरोना के 12 नए मामले, दो मरीज हुए स्वस्थ

देहरादूनः उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण के 12 नए मामले मिले हैं, जबकि दो मरीज स्वस्थ हुए हैं। रविवार को कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। कोरोना संक्रमण दर 1.26 प्रतिशत रही। प्रदेश में फिलवक्त कोरोना के 73 सक्रिय मामले हैं। देहरादून में सबसे अधिक 73 सक्रिय मामले हैं। चमोली, चंपावत व पिथौरागढ़ में कोरोना का कोई सक्रिय मरीज नहीं है। रविवार को देहरादून में सबसे अधिक आठ लोग संक्रमित मिले हैं। हरिद्वार में दो और ऊधमसिंह नगर व उत्तरकाशी में एक-एक कोरोना संक्रमित मिला है। इस साल प्रदेश में कोरोना के 92874 मामले आए हैं। इनमें से 89255 (96.10 प्रतिशत) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं।

कोरोना संक्रमण से इस साल 275 मरीजों की मौत भी हुई है।स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में कोरोना महामारी की रोकथाम व कोविड टीकाकरण के शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने के लिए 10 जून से हर घर दस्तक अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. प्रवीन कुमार ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को आशा, एएनएम के माध्यम से शिक्षा, पंचायती राज विभाग से भी समन्वयक बनाकर अभियान के सफल संचालन के निर्देश दिए हैं। जनपद में विभागीय टीमों के माध्यम से कोविड टीकाकरण से वंचित लोगों का हर-घर जाकर टीकाकरण किया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. रमेश कुंवर ने बताया कि जनपद में प्रथम डोज कोविड टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा चुका है।

प्रथम दून आर्टिस्ट कांक्लेव का संस्कृति मंत्री महाराज ने किया शुभारम्भ

पर्यावरण संरक्षण हेतु कला को बढ़ावा ज़रूरी: सतपाल महाराज

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सतपाल जी महाराज, उत्तराखंड संस्कृति, पर्यटन, पीडब्लूडी एवं सिंचाई मंत्री ने 50 वें विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रथम दून आर्टिस्ट कांक्लेव का उद्घाटन करते समय कहा कि कला को बढ़ावा दिये बिना पर्यावरण संरक्षण की कल्पना संभव नहीं है क्योंकि प्रकृति कलाकारों को प्रेरणा देती है और वे अपनी कलाकृतियों में प्रकृति को दर्शाते हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि यदि प्रकृति का संरक्षण करना है तो कला को बढ़ावा देना होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रथम दून आर्टिस्ट कांक्लेव में बोलते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि कलाकारों को समाज के संरक्षण की ओर उन्मुख करने के लिए एक साथ आगे आना न केवल राज्य बल्कि देश एवं संसार के पर्यावरण के लिए भी शुभ संकेत है।

विशेष अतिथि डॉ धनंजय मोहन, पीसीसीएफ एवं एमडी, उत्तराखंड वन विकास निगम; जो कि स्वयं एक विश्व प्रसिद्ध पक्षी वैज्ञानिक हैं ने आशा व्यक्त की कि पर्यावरण दिवस पर कलाकारों के एक मंच पर आने से संरक्षण के महान उद्देश्य में अतिशय सहायता

मिलेगी.

म्यूज़ आर्ट गैलरी (होटल इंद्रलोक, राजपुर रोड) में आयोजित प्रदर्शनी में दून आर्ट काउंसिल से जुड़े तीस से ज़्यादा कलाकारों की पेंटिंग्स, फोटो, जंक आर्ट, शिल्प, एवं सिरैमिक्स आदि प्रदर्शित किये गये हैं.ज्ञातव्य है कि पिछले महीने नामी चित्रकार जतिन दास के प्रयास से शहर के लगभग अस्सी कलाकारों ने मिलकर दून आर्ट काउंसिल बनाई थी जिसके द्वारा एक कलाकार सम्मेलन(काँक्लेव) के माध्यम से कला प्रेमियों तक पहुँचने की योजना बनाई गई थी.

शहर की प्रमुख आर्ट गैलरी में 20 जून तक सुबह 9 बजे से शाम 9 बजे तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में हर शाम 6 बजे कलाकार अपनी कला से संबंधित व्याख्यान भी देंगे।इस अवसर पर आर्टिस्ट जितिन दास, आलोक लाल मोहित दानू अंजलि थापा अतुल शाह भूपेश भारती कपिल मिश्रा सतपाल गांधी सहित अनेक कलाकार मौजूद थे।

उत्तराखण्ड पुलिस पर्यावरण संरक्षण की ओर गंभीर और प्रयत्नशील : अशोक कुमार डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद पद्मभूषण डॉ0 अनिल प्रकाश जोशी के साथ अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड ने पुलिस मुख्यालय में पर्यावरण सुरक्षा, संरक्षण व जागरूकता का सन्देश देने के लिए एक सार्थक परिचर्चा की। परिचर्चा में moderater की भूमिका ओ0 पी0 मनोचा, सीनियर साईंटिस्ट द्वारा निभाई गयी। डॉ0 जोशी को पर्यावरण और हिमालय के संरक्षण की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा पद्मश्री एवं पद्मभूषण सम्मान से नवाजा गया है।

परिचर्चा में डॉ0 अनिल जोशी जी ने कहा कि मानव जीवन के लिए यह बहुत कठिन समय है यदि हम पर्यावरण से प्रति अब भी नहीं चेते तो विनाश निश्चित है। अतः पर्यावरण का संरक्षण करना हम सब की जिम्मेदारी है। विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की थीम Only One Earth की तर्ज पर हम सभी को इसके संरक्षण के लिए एक साथ आने की जरूरत है। डॉ0 जोशी ने ग्रामीण आर्थिकी को बढ़ावा देने, जल संचय एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने सुझाव दिए तथा जी0डी0पी0 के बजाय जी0ई0पी0 (Gross Environment Product) पर जोर देने को कहा।

डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि किस प्रकार उत्तराखण्ड पुलिस पर्यावरण संरक्षण की ओर गंभीर और प्रयत्नशील है। विगत वर्ष प्रदेश भर में हमारे द्वारा एक लाख से अधिक पौंधे लगाए गए। ऑपरेशन मर्यादा के अन्तर्गत पर्यटक स्थलों पर कूड़ा डालकर उसकी स्वच्छता खराब करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। समय-समय पर विभिन्न स्थलों पर पुलिस जवानों द्वारा सफाई अभियान भी चलाए जाते हैं। वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के विरूद्ध भी हमारी कार्यवाही जारी है। मॉडिफाइड साइलेंसरों से ध्वनि प्रदूषण करने वाले वाहनों पर कार्यवाही की गयी है। ट्रैफिक स्मूथ चले जाम की स्थति उत्पन्न न हो इसके प्रयास किये जाते हैं, ताकि वायु प्रदूषण कम हो। गांव में मानव और प्रकृति के बीच एक balance है, जबकि शहरों में वह balance देखने को नहीं मिलता है। यहां कंक्रीट के बीच प्रकृति कहीं खो गयी है। गांव और शहरों में sustainable development की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण की ओर जागरूक किया गया, जिससे कि वे इसके प्रति संवेदनशील होकर पर्यावरण संरक्षण में अपना अमूल्य सहयोग दें।

एनईपी लागू करने में निजी विश्वविद्यालयों की भागीदारी अहम : धन सिंह रावत

नई शिक्षा नीति को लेकर निजी विश्वविद्यालयों के साथ हुई सार्थक चर्चा

■ उच्च शिक्षा के अंतर्गत वर्तमान सत्र से प्रथम सेमेस्टर में लागू होगी एनईपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सूबे में उच्च शिक्षा के अंतर्गत वर्तमान शैक्षिक सत्र से नई शिक्षा नीति-2020 को लागू किया जाएगा। नई शिक्षा नीति को राज्यभर के राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रथम सेमेस्टर शुरू किया जायेगा, जिसकी तैयारियां विभागीय स्तर पर पूरी कर दी गई है। राज्य में एनईपी लागू करने में निजी विश्वविद्यालयों की भागीदारी बेहद जरूरी है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य में नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने को लेकर आज डीआईटी विश्वविद्यालय में राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की। डॉ रावत ने बताया कि सूबे में आगामी जुलाई माह से उच्च शिक्षा के अंतर्गत प्रथम सेमेस्टर में नई शिक्षा नीति-2020 राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में लागू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एनईपी लागू करने को लेकर निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। डॉ रावत ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत स्वरोजगार, भारतीय ज्ञान परम्परा, च्वाइस बेस क्रेडिट सिस्टम(सीबीसीएस), क्रेडिट बैंक पर फोकस

रहेगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा एनईपी लागू करने को लेकर अपने-अपने विचार रखे साथ ही अपने शिक्षण संस्थानों द्वारा की गई तैयारियों की जानकारी साझा की। बैठक में कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन. के. जोशी ने राज्य सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा तैयार पाठ्यक्रम एवं एनईपी गाइडलाइन का प्रस्तुतिकरण दिया।

बैठक में उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगोली, कुलाधिपति डीआईटी विश्वविद्यालय एन. रविशंकर, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो. एन. के. जोशी, सलाहकार रूसा प्रो. एम. एस. एम. रावत, प्रो. के.डी. पुरोहित, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. ए. एस. उनियाल, डीआईटी विश्वविद्यालय, आईएमएस विवि, ग्रिफिक एरा विवि, यूपीईएस विवि, एसजीआरआर विवि, ज़ी हिमगिरि विवि, श्रीराम हिमालयन विवि, क्वांटम विवि, उत्तरांचल विवि, रास विहारी बोस सुभारती विवि, पतंजलि विवि, देव संस्कृति विवि सहित दो दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने प्रतिभाग किया।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड सदस्य सचिव पर कार्यवाही करें मुख्य सचिव : एनजीटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में भारी भरकम बजट और सरकार के खजाने के लिए मोटी कमाई करने वाला पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड चर्चाओं में आ गया है। खबर है कि एनजीटी ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्य सचिव को सख्त निर्देश भी दिए हैं। एनजीटी ने कहा है कि प्रदेश में पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की मौजूदगी के बावजूद किस तरह तमाम औद्योगिक इकाइयां, फैक्ट्रियां मानकों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से चल रही हैं... एनजीटी ने इस आदेश में बोर्ड के सदस्य सचिव एसपी सुबुद्धि पर गंभीर आरोप लगाते हुए लिखा है कि उन्होंने एनजीटी को गुमराह किया और गलत तथ्य पेश किए है। उत्तराखंड के मुख्य सचिव से सुबुद्धि के खिलाफ एक्शन लेने को कहा गया है।

एनजीटी ने सख्त लहजे में कहा कि ट्रिब्यूनल अपने स्तर से कार्रवाई करने में सक्षम है, लेकिन अच्छा यही होगा कि मुख्य सचिव खुद कार्रवाई करें। एनजीटी को यह लिखना पड़ा कि पीसीबी के सदस्य सचिव के भरोसे के पद पर बैठा व्यक्ति आदेशों का पालन न कर उल्टे ट्रिब्यूनल को गुमराह कर रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है , आपको बता दें कि उत्तराखंड में लम्बे समय से विभाग में सेवा दे रहे एसपी सुबुद्धि 1994 बैच के आईएफएस हैं, जो पिछले करीब पांच सालों से पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में ही तैनात हैं। हांलाकि कुछ समय पहले उन्हें विभाग से हटाया भी गया था, लेकिन जल्द ही सुबुद्धि ने फिर इसी पद पर अपनी वापसी करा ली थी।

जानिए कहाँ से जुड़ा है ये पूरा केस -

ये मामला थोड़ा पुराना है और 2020 में हरिद्वार की औद्योगिक इकाई द्वारा पर्यावरण नियमों के उल्लंघन का मामला एनजीटी के पास आया था.. पीसीबी ने तब इस इकाई को बंद करने और जुर्माना लगाने की बात कही थी... शिकायत का निपटारा होने पर पर पीसीबी ने मामले की फाइल बंद कर दी. लेकिन, दरअसल सच तो ये सामने आया कि पीसीबी ने ऐसा कोई एक्शन लिया ही नहीं था ... फाइलों में बंद ये इंडस्ट्री तब भी चलती रही...

अप्रैल 2022 में शिकायतकर्ता ने फिर एनजीटी को बताया कि कागजों में बंद की गई औद्योगिक इकाई सुरेंद्र मोटर्स बदस्तूर चल रही है... बंदी का आदेश भी वापस हो गया... सवाल जवाब हुए तो सुबुद्धि ने एनजीटी में कहा कि इंडस्ट्री को बंद कराकर उसका पानी का कनेक्शन काट दिया गया था... बाद में जुर्माना वसूलने के बाद खोल दिया गया... लेकिन, हकीकत में जुर्माना भी नहीं वसूला गया... ट्रिब्यूनल ने सुबुद्धि की भूमिका पर सवाल उठाकर कड़ी नाराज़गी जताई है और ये मामला तब सामने आ रहा है जब उत्तराखंड में नौकरशाहों पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। देखना होगा कि इस मामले में अब आगे किस तरह की कार्यवाही सामने आती है।

एफआरआई में आईपीआर के डोमेन की समझ : एक संपूर्ण परिप्रेक्ष्य' वेबिनार आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वन अनुसंधान संस्थान (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष (आजादी का अमृत महोत्सव) के उपलक्ष्य में 'आईपीआर के डोमेन की समझः एक संपूर्ण परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक एवं कुलपति, वन अनुसंधान संस्थान (सम विश्वविद्यालय), देहरादून मुख्य अतिथि थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. ए.के. त्रिपाठी, रजिस्ट्रार एवं वैज्ञानिक-जी, एफआरआईडीयू, देहरादून द्वारा एक परिचयात्मक नोट के साथ हुआ। शुभारंभ भाषण मुख्य अतिथि डॉ. रेणु सिंह, निदेशक और कुलपति, एफआरआई, (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून ने दिया। उन्होंने आईपीआर के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला और चुनौतियों पर जोर दिया।

इसके पश्यात डॉ. विनीत कुमार, वैज्ञानिक-जी एवं कार्यक्रम समन्वयक ने स्पीकर प्रो. डॉ. उमेश वी. बनकर, बनाकर कंसल्टिंग सर्विसेज, वेस्टफील्ड, आईएन, यूएसए का परिचय दिया गया । अंत में वक्ता, प्रो. डॉ. वी. बनाकर ने आईपीआर के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला, जैसे

कि आधुनिक दुनिया में बौद्धिक अधिकारों की पहचान, अधिग्रहण, संरक्षण, विशेष रूप से अनुसंधान जांच को शर्तों और शब्दावली के साथ आविष्कार में अनुवाद करने और इसे आगे ले जाने के दौरान जहां इसे वैधता और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

इसके पश्यात, डॉ. वी. बनाकर ने वर्तमान परिदृश्य पर अपने विचार व्यक्त किए और आईपीआर कॉपीराइट, पेटेंट, आविष्कार आदि के संरक्षण के समाधान के बारे में अपने विचार सामने रखे। वेबिनार के अन्य प्रतिभागियों ने डॉ. वी. बनाकर के साथ बहुत उत्साहपूर्वक बातचीत की और अपने विचार रखे। आईपीआर से संबंधित प्रश्नों का उनके द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। वेबिनार में कम से कम 60+ प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें एफआरआई, देहरादून के विभिन्न संकाय सदस्य, वैज्ञानिक, शोध छात्र और एफआरआई (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के छात्र शामिल हैं।

कार्यक्रम का समापन डॉ. विपिन प्रकाश, वैज्ञानिक-एफ एवं कार्यक्रम समन्वयक (वानिकी), एफआरआई (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

गंगा और 13 अन्य प्रमुख नदियों के कायाकल्प के लिए डीपीआर तैयार : डॉ रेणु सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं। इन आकाशगंगाओं में कई ग्रह हैं, हालांकि, केवल एक ही पृथ्वी है। वर्तमान में, पृथ्वी जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाओं का सामना कर रही है, जिसका यदि समाधान नहीं किया गया तो इसके अस्तित्व को खतरा हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग की घटना को चरम मौसम की घटनाओं से जोड़ा गया है जो असामयिक और अत्यधिक बारिश, सूखे और चक्रवात आदि के माध्यम से पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों को तबाह कर रही हैं। बड़े पैमाने पर शहरीकरण से निवास स्थान का नुकसान हो रहा है जो बदले में कई प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। भूमि, जल और वायु का प्रदूषण आवास को निर्जन बना रहा है और यदि इसे रोका नहीं गया तो मानव प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा होगा। इसलिए, दुनिया के सामने आने वाले खतरों के बारे में समाज में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हम हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं।

इस वर्ष भी वन अनुसंधान संस्थान में ₹केवल एक पृथ्वी₹ विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस-2022 को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एफआरआई देहरादून के दीक्षांत समारोह हॉल में किया गया। ऋचा मिश्रा, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजन, एफआरआई ने इस अवसर पर डॉ रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। दो विशिष्ट अतिथियों मोहिनी रावत, एक प्रकृति प्रेमी और श्रुति शर्मा, आईएफएस एवं एचओएफएफ (सेवानिवृत्त), राजस्थान का विशेष स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया और डॉ. रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक एफआरआई को उद्घाटन भाषण के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. रेणु सिंह ने सभा को संबोधित किया और आज पृथ्वी के सामने आने वाले मुद्दों और समस्याओं के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे हम पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में व्यक्तिगत रूप से योगदान दे सकते हैं। उन्होंने ग्रह की रक्षा करने और उसे पुनर्स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने संस्थान द्वारा खराब हुए क्षेत्रों के पर्यावरण की बहाली के लिए परियोजनाएं शुरू करने और गंगा और 13 अन्य प्रमुख नदियों के कायाकल्प के लिए डीपीआर तैयार करने के बारे में भी बताया। तत्पश्चात पर्यावरण पर भाषण प्रतियोगिता व कविता पाठ किया गया।

इन गतिविधियों का संचालन हिन्दी अधिकारी शंकर शर्मा ने किया। मोहिनी रावत और श्रुति शर्मा द्वारा दो गतिविधियों का निर्णय किया गया। कार्यक्रम में एफआरआई के कर्मचारियों, एफआरआई डीयू के छात्र और पीएचडी विद्वानों ने भाग लिया।

इसके बाद केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालय के छात्रों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। उन विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2022 पर आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते थे। समारोह के दौरान कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

संपादकीय

कांच में कांग्रेस का वजूद

शिमला में प्रधानमंत्री मोदी की रैली ने भाजपा की उपचुनावों में मिली हार को कितना धो दिया या कांग्रेस को कितना निहत्था कर दिया, इसके कई पक्ष और विरोध हो सकते हैं, लेकिन देश के राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस का नैराश्य भाव न टूटा, तो समीकरणों के वर्तमान में बरकरार रहना मुश्किल होता जाएगा। हताशा व निराशा के बिंदुओं पर केवल संघर्ष ही कांग्रेस को मुकाबले में खड़ा रख सकता है, वरना राजनीति का वर्तमान दौर तो केवल मनोविज्ञान की भीषण परिस्थितियां पैदा कर रहा है। ऐसे में गुजरात और हिमाचल के चुनावों की राष्ट्रीय चर्चा में पार्टी को अपना घर और बाहर तो देखना है, साथ ही यह इंतजाम भी करना है कि चुनाव आने तक और ताले न टूटें। इस समय कांग्रेस भी मानती है कि उसके लिए हिमाचल एक बड़ी सियासी दरगाह हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय घटनाक्रम पार्टी की दिशा, दशा और उसके खिलाफ नुक्ताचीनी जोड़ती है। सोनिया और राहुल गांधी को ईडी का नोटिस फिर कांग्रेस के आत्मबल को टटोलेगा, तो उदयपुर चिंतन शिविर के बाद राज्यसभा के टिकट का प्रसाद जिस तरह बंटा, उसके बाद पार्टी का मनमुटाव भी तो सामने आया है। बहरहाल हिमाचल ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां परंपरावादी सियासत कांग्रेस की संभावनाओं को बढ़ा देती है और यह भी परिणाममूलक संकेत रहा कि पिछले उपचुनावों में जनता ने उसे अपनी प्राथमिकता का सेहरा पहना दिया था। बावजूद इसके भाजपा ने जिस तरह मोर्चा संभाला है और प्रधानमंत्री के दौरे पार्टी के हर छोर को मशगूल कर रहे हैं, उससे दो छवियां आमने-सामने हैं। यानी मोदी तो जीत में एकाकार हो रहे हैं और दूसरी ओर अपनी रणनीति के कारण गांधी परिवार असफल व असहाय पेश हो रहा है, लेकिन सवाल यह भी है कि हिमाचल का अपना मूड किस करवट बैठेगा। अतीत बताता है कि यहां के मतदाता ने मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों तक को इसलिए नहीं बख्शा क्योंकि वे उसकी निगाह में उनके प्रदर्शन की खामियां रहीं या अपेक्षाओं के सामने सत्ता का नशा और गुरूर रहा। अब इस राजनीतिक मानसिकता का दोहन कांग्रेस करना चाहती है, लेकिन दूसरी ओर भाजपा अपने दायरे और वादों के पोस्टर बड़े कर रही है, तो समझना यह होगा कि कांग्रेस आलाकमान कहीं अपनी ही संभावनाओं को उलझन में डाल न दे। हमारा मानना है या जिस तरह के घटनाक्रम से गुजरात की तस्वीर में खोट नज़र आने लगे हैं, कांग्रेस के लिए हिमाचल में सिर-धड़ की बाजी लगाने के सिवा और कोई चारा नहीं। बेशक कुछ आंदोलन खड़े करके हिमाचल कांग्रेस का युवा वर्ग सामने डटा है और नई कार्यकारिणी ने खुद को नए परिप्रेक्ष्य में पेश किया है, फिर भी रणनीतिक युद्ध में भाजपा की फिज़ां को रोकने के लिए दस्तूर बदलने की जरूरत तो निरंतर बनी रहेगी। इतना स्पष्ट हो रहा है कि भाजपा अपने महिमामंडन में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा पेश करेगी, तो पार्टी की वित्तीय व सियासी शक्ति का भी भरपूर प्रयोग होगा। कांग्रेस के लिए राहत की बात यह कि आम आदमी पार्टी अपने झमेलों में अपनी ताजगी, मजबूती और वैकल्पिक ऊर्जा में कुछ नुकसान झेल रही है और पार्टी का प्रचार सत्ता के खिलाफ जितना माहौल पैदा करेगा, वह प्रदेश के राजनीतिक बदलाव का समर्थन ही करेगा। कांग्रेस के लिए टिकट आवंटन की परीक्षा रहेगी और यह भी कि कुनबे को किस तरह बचाकर, सहेजकर तथा ऊर्जावान बनाकर रख पाती है। सत्ता के भीतर अपनी शिकायतें हैं, सत्ता लाभ के संघर्ष, उपेक्षा की रगड़, मंत्रियों-विधायकों का प्रदर्शन और टिकटार्थियों की चीखोपुकार भी बढ़ रही है, तो इसके बीच कांग्रेस को अपना संयम, विवेक और साथ जीने-मरने की सौगंध खानी है।

फैल रहा ओमिक्रोन का नया वैरिएंट, तमिलनाडु में मिले 12 केस

केरल और महाराष्ट्र ने बढ़ाई चिंता, संक्रमण दर भी बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसियां। केरल और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों ने एकबार फिर चिंता बढ़ा दी है। केरल में पिछले पांच दिनों से और महाराष्ट्र में पिछले तीन दिनों से एक हजार से ज्यादा मामले मिल रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश में 34 दिन बाद दैनिक संक्रमण दर बढ़कर एक प्रतिशत से अधिक हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेन्द्र फडणवीस भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। वहीं तमिलनाडु में ओमिक्रोन के BA4 और BA5 वैरिएंट के 12 मामले सामने आए हैं।

तमिलनाडु के मंत्री मा सुब्रमण्यन (Ma Subramanian) ने रविवार को बताया कि तमिलनाडु में ओमिक्रोन के नए वेरिएंट BA4 और BA5 का पता चला है। उन्होंने कहा कि 150 नमूनों में से 12 नमूने हैदराबाद की प्रयोगशाला में भेजे गए थे, जिनमें नए वेरिएंट की पुष्टि हुई है। चार लोगों में बीए-4 वैरिएंट पाया गया है, जबकि आठ लोगों में बीए-5 वैरिएंट पाया गया है। सभी संक्रमितों को आइसोलेट कर दिया गया है। इन मरीजों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। फलिहाल इनकी हालत स्थिर है।

महाराष्ट्र में कोरोना के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। महाराष्ट्र में रविवार को 1,494 नए मामले सामने आए। इस में अकेले मुंबई से 961 मामले शामिल हैं। इसके साथ ही राज्य में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 78,93,197 हो गया है जबकि महामारी से अब तक 1,47,866 लोगों की मौत हो चुकी है। यह लगातार चौथा दिन है जब राज्य में एक हजार से ज्यादा मामले मिले हैं। दिल्ली में रविवार को कोरोना के 343 नए मामले सामने आए। दिल्ली संक्रमण दर 1.91 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 19,08,730 हो गई है जबकि महामारी से 26,212 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली शनिवार को कोरोना के 405 नए केस मिले थे जबकि संक्रमण दर 2.07 फीसद दर्ज की गई थी। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सरकार ने हर घर दस्तक अभियान पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को देश में बढ़ते कोरोना संक्रमण पर चिंता जताई। उन्होंने लोगों से संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, भारत समेत कई देशों में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। यह देखा जा रहा है कि लोग अब महामारी को लेकर गंभीर नहीं हैं। गहलोत ने कहा कि विशेषज्ञों की मानें तो कोरोना नहीं जाएगा, इसलिए सावधान रहना बहुत जरूरी है। महाराष्ट्र में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस भी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

फडणवीस इससे पहले अक्टूबर 2020 में संक्रमित हुए थे। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मेरी कोविड-19 रिपोर्ट पाजिटिव आई है। घर पर ही अलग रह रहा हूं। डाक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं ले रहा हूं। हाल के दिनों में जो भी लोग मेरे संपर्क में आए हैं। मेरी सलाह है कि वे अपनी कोविड जांच करा लें और अपना ख्याल रखें।

सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को मिला धमकी भरा पत्र, बांद्रा पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने रविवार को बालीवुड अभिनेता सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को 'धमकी देने वाला पत्र' भेजने के लिए एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

पुलिस के अनुसार, सलीम खान को पत्र एक बेंच पर मिला, जहां वह रोजाना सुबह जागिंग के बाद बैठते हैं। पुलिस ने बताया कि उसे पत्र सुबह साढ़े सात बजे से आठ बजे के करीब अपने और सलमान के नाम से मिला।पुलिस के अनुसार, रविवार को मुंबई में बांद्रा बैंडस्टैंड सैरगाह के पास सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी देने वाला एक अहस्ताक्षरित पत्र मिला। मुंबई पुलिस ने कहा कि बांद्रा पुलिस ने एक अज्ञात

व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और आगे की जांच की जा रही है।

बताया जाता है कि पत्र में सलमान खान और सलीम खान को उनका हाल पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला जैसा करने की धमकी दी गई है। शख्स ने लिखा, 'सलीम खान, सलमान खान बहुत जल्द तुम्हारा हाल सिद्धू मूसेवाला जैसा होगा। पत्र मिलने के बाद सलीम खान ने सिक्योरिटी गार्ड के जरिए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। उनके बयान को दर्ज कर पुलिस ने आईपीसी के सेक्शन 506 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सलीम खान ने पुलिस बताया कि मार्निंग वाक खत्म करने के बाद उनका रोज एक बेंच पर बैठना फिक्स है। वह रविवार सुबह अपने दो बाडीगार्ड्स के साथ टहलने गए थे। ऐसे में एक बॉडीगार्ड ने बेंच पर लेटर पड़ा हुआ देखा था। धमकी भरे लेटर को भी उन्होंने पुलिस को सौंप दिया है।

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर दुष्प्रचार में जुटा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अपने भारत विरोधी दुष्प्रचार से बाज नहीं आ रहा है। वह अक्सर ही भारत के खिलाफ इस तरह की हरकत करता रहता है। उसने अब पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर भारत की छवि खराब करने के लिए इंटरनेट मीडिया पर दुष्प्रचार अभियान चलाया। इस हत्याकांड को लेकर निराधार दावे किए गए। इस अभियान में कुल 26 ट्विटर अकाउंट सक्रिय रहे और वे सभी पाकिस्तानी बताए गए हैं। इसमें से ज्यादातर का संबंध पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से पाया गया है।

बता दें कि मूसेवाला की गत 29 मई को पंजाब के मानसा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मूसेवाला की हत्या की खबर 29 मई को शाम करीब सवा छह बजे आई थी। इस घटना को लेकर ट्विटर पर जो पहला ट्वीट किया गया था, वह एक पाकिस्तानी अकाउंट से किया गया था।

इस तरह के हैशटैग के जरिये भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रा) की छवि धूमिल करने की कोशिश की गइ है । इन हैशटैग पर रा (RAW) को हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए झूठी और गलत सूचनाएं फैलाइ गइ।

इस करतूत में लिप्त ज्यादातर अकाउंट केवल भारत को बदनाम करने के इरादे से बनाए गए। अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के बाद उन्होंने अपने यूजरनेम बदल दिए। इंटरनेट मीडिया में जो लोग पर्दे के पीछे से अभियान चला रहे थे, उनमें से हर किसी ने हत्याकांड के बारे में मनगढ़ंत बातें फैलाने के लिए एक-दूसरे की सामग्री कापी की थी। @masheengunmulla ने सबसे अधिक बार ट्वीट किया है और उसके बाद @haiderzarrar1 जिनका अकाउंट अब मौजूद नहीं है। @awaisikram788 और @truthse68829926 ने भी इसी विषय पर ट्वीट किया था।

कुछ खाते विशेष रूप से इसी उद्देश्य के लिए सामने आए और एजेंडा को आगे बढ़ाने के बाद उन्होंने अपना उपयोगकर्ता नाम बदल दिया। पाकिस्तान की जानी-मानी हस्तियों द्वारा एजेंडा उठाए जाने के तुरंत बाद, कुछ सिख संगठनों ने मोर्चा खोल दिया। उन्होंने 1984 और मूसेवाला की हत्या के बीच समानताएं दिखाने का भी प्रयास किया।

Saudi Arab में बनेंगी दुनिया की सबसे ऊंची इमारतें, $500 बिलियन की आएगी लागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

NEOM प्रोजेक्ट में इमारतें ऐसी होंगी जिसमें रहने की जगह होगी, रीटेल और ऑफिस के लिए जगह होगी साथ ही यह लाल सागर के तट पर रेगिस्तान में बनाई जाएगी... दुनिया की सबसे ऊंची इमारतें बनाने की योजना बना रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, करीब $500 बिलियन की लागत से बनने वाली यह इमारतें जिस इलाके में बनाई जाएंगी वहां फिलहाल ना के बराबर रिहाइश है। NEOM प्रोजेक्ट के जानकारों के मुताबिक, यह सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की योजना है। उनकी योजना है कि ऐसी 500 मीटर ऊंची इमारतें बनाएं जो कई मील दूर से दिखे।

यह इमारत ऐसी होंगी जिसमें रहने की जगह होगी, रीटेल और ऑफिस के लिए जगह होगी साथ ही यह लाल सागर के तट पर रेगिस्तान में बनाई जाएगी। नाम ना बताने की शर्त पर यह जानकारी देने वाले लोगों ने बताया कि यह योजना पिछले साल घोषित की गई अंडरग्राउंड हाइपर स्पीड रेल प्रोजेक्ट से अलग है कॉन्सेप्ट है। डिजाइनर्स को इस आधे मील की लंबी प्रोटोटाइप बनाने के बारे में निर्देश दे दिए गए हैं। फिलहाल पूर्व NEOM कर्मचारी ने कहा कि अगर यह पूरी स्पीड में काम होता है तो हर स्ट्रक्चर दुनिया की मौजूदा बड़ी इमारतों से अलग होगा। इनमें से अधिकतर फैक्ट्री और माल होंगे , ना कि रिहायशी इमारतें।

NEOM की घोषणा 2017 में की गई थी। मोहम्मद की योजना देश के एक दूर-दराज के इलाके को हाई-टेक सेमी-ऑटोनॉमस स्टेट में तब्दील करने की है जहां शहरी जीवन पर दोबारा विचार किया जा सके। यह सऊदी अरब में विदेश निवेश आकर्षित करने की उनकी योजना में से एक है जिससे सऊदी अरब को अपनी अर्थव्यवस्था को तेल की ब्रिक्री से हटाने में मदद मिलेगी। प्रिंस ने कहा था कि द लाइन एक लाइन का कार-रहित शहर NEOM की रीढ़ की हड्डी की तरह दिखेगा। इसे बनाने में करीब $200 बिलियन की लागत आ सकती है। हालांकि यह बड़ी इमारतों को बनाने के पहले का प्लान था।

पैगंबर पर भाजपा प्रवक्ताओं के बयानों से कतर और कुवैत नाराज

■ भारत का जवाब- धार्मिक टिप्पणी हमारे विचार नहीं

नई दिल्ली। खाड़ी देशों के साथ अपने रणनीतिक रिश्तों को प्रगाढ़ करने में जुटी भारत सरकार की स्थिति कुछ भाजपा नेताओं की धार्मिक टिप्पणियों के चलते असहज हो गई है। रविवार को कतर और कुवैत ने भारतीय राजदूतों को समन कर न सिर्फ इन टिप्पणियों पर गहरी नाराजगी जताई, बल्कि भारत सरकार से माफी की भी मांग की। भारत ने दोनों देशों को साफ तौर पर कहा है कि उक्त टिप्पणियां किसी तरह से सरकार के विचार नहीं हैं।

भारत ने कतर को भरोसा दिलाया है कि टिप्पणी करने वाले और इस पर ट्वीट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कतर की सरकार ने इस बारे में दोहा स्थित भारतीय राजदूत को समन कर अपनी नाराजगी प्रकट की। वैसे कतर के विदेश मंत्रालय ने भाजपा की तरफ से पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई का स्वागत किया है। लेकिन भारत सरकार से भी सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने और निंदा करने की मांग की है। कुवैत सरकार ने भी भारतीय राजदूत को समन कर इस मुद्दे पर विरोध जताया। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने बताया है कि कतर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कुछ लोगों की तरफ से धार्मिक व्यक्तियों के सम्मान के खिलाफ किए गए ट्वीट का मामला उठाया।

राजदूत ने उन्हें बताया कि यह किसी तरह से भारत सरकार की भावना नहीं है। ऐसा हाशिये पर खड़े लोगों ने कहा है। भारत अपनी अनेकता में एकता की सांस्कृतिक विरासत के आधार पर सभी धर्मों को उच्चतम आदर देता है। इस तरह की टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जा रही है। संबंधित संगठन ने बयान जारी कर सभी धर्मों को आदर देने और किसी भी धर्म के व्यक्ति के सम्मान को चोट पहुंचाने के कदम की निंदा की है।

लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचंड जीत के लिए अभी से मिशन मोड में भाजपा, चिन्हित किए गए कमजोर बूथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी दल जहां अभी विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा में ही लगे हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए बनाए गए रोडमैप पर काम भी शुरू कर दिया है। सात दिन पहले यूपी में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में तय हुआ और पार्टी ने हर लोकसभा क्षेत्र में 225 से 250 तक कमजोर बूथ चिन्हित भी कर लिए। अब प्रदेश स्तर के नेता पंद्रह दिन में इन बूथों पर कमजोरी के कारण टटोलेंगे और जुलाई से संगठन इनकी मजबूती के अभियान में जुट जाएगा।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 29 मई यानी पिछले रविवार को राजधानी लखनऊ में हुई थी। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लक्ष्य दिया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 80 में से कम से कम 75 सीटें जीतनी हैं। इसकी रूपरेखा प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने समझाई कि हर लोकसभा क्षेत्र में कमजोर बूथ चिन्हित कर हर सीट पर 100 कमजोर बूथों की जिम्मेदारी पार्टी के लोकसभा सदस्य या राज्यसभा सदस्य को सौंपी जाएगी, जबकि उस क्षेत्र के विधायक व जहां विधायक नहीं हैं, वहां विधान परिषद सदस्य को 25 बूथ दिए जाएंगे।

पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि सात दिन तक प्रदेश सरकार के मंत्री, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश महामंत्रियों से लेकर प्रदेश स्तर के अन्य पदाधिकारियों ने एक-एक लोकसभा सीट पर जाकर बैठकें कीं। क्षेत्र और जिला संगठन के पदाधिकारियों को पहले ही रिपोर्ट तैयार रखने के लिए कह दिया गया था। इस प्रक्रिया से हर लोकसभा सीट पर 225 से 250 तक कमजोर बूथ चिन्हित कर लिए हैं।

इस श्रेणी में ऐसे बूथ हैं, जहां पार्टी हारी है या बहुत कम वोट मिला है। अब 15 से 30 जून तक प्रदेश की टीम जिलों का दौरा करेगी। वहां निचले स्तर तक बैठकें की जाएंगी। इन बैठकों के जरिए वह कारण ढूंढे जाएंगे, जिनकी वजह से उक्त बूथ भाजपा के लिए कमजोर हैं। जमीनी फीडबैक के लिए प्रत्येक सांसद के साथ 80 और विधायक के साथ 10 कार्यकर्ताओं की टोली लगाई गई है।

जून में पूरी रिपोर्ट तैयार हो जाएगी कि प्रदेश भर के यह बूथ किन कमियों की वजह से कमजोर हैं। जुलाई में नया अभियान शुरू होगा। वरिष्ठ पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपकर बूथों को मजबूत करने के लिए संगठनात्मक गतिविधियां की जाएंगी। पार्टी की रणनीति है कि लोकसभा चुनाव के पहले इस प्रक्रिया को कई बार अपनाया जाए, ताकि 75 सीटों के लक्ष्य को पाया जा सके।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा